राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

अटल जी की कविताओं में सन्निहित भावों के अनुरूप अपने चरित्र का निर्माण करें–राज्यपाल

पटना, 15 सितम्बर 2018

''अटल जी की कविताओं में सन्निहित भावों के अनुरूप अपने चरित्र का निर्माण करें। उनके संदेशों के अनुरूप अपने व्यक्तित्व का विकसित कर राष्ट्रीय नव–निर्माण में योगदान करें।'' –उक्त उद्‌गार, 'हिन्दुस्थान–समाचार' द्वारा बापू भवन में आयोजित ''अटल काव्यांजलि'' कार्यक्रम को उद्‌घाटित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि अटल जी की एक–एक कविता में जीवन के नये–नये मंत्र हैं। अटल जी अत्यन्त गंभीर विचारों को भी सहज और आकर्षक रूप में प्रस्तुत कर देते थे। काल के भाल पर अपनी अमिट पहचान छोड़नेवाले स्व॰ अटल बिहारी जी की यशःकाया बराबर अमर बनी रहेगी।

काव्यांजलि–कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, भवन निर्माण मंत्री श्री महेश्वर हजारी तथा राज्यसभा सांसद श्री आर॰के॰ सिन्हा आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में श्री राजनाथ सिंह सूर्य, विधायक श्री नीतिन नवीन, विधायक श्री संजीव चौरसिया, मेयर सीता साहू सहित कई विधायक, पूर्व विधायक एवं कई अन्य जन–प्रतिनिधिगण आदि भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में महामहिम ने कुछ स्थानीय साहित्यकारों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बुद्धिनाथ मिश्र, सुमन दुबे, विष्णु सक्सेना, प्रख्यात मिश्र, सुनील जोगी, कुमार मनोज, गजेन्द्र सोलंकी आदि कवियों ने काव्य–पाठ किया।

.....